चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 10 अप्रैल 2026, अंक –255.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

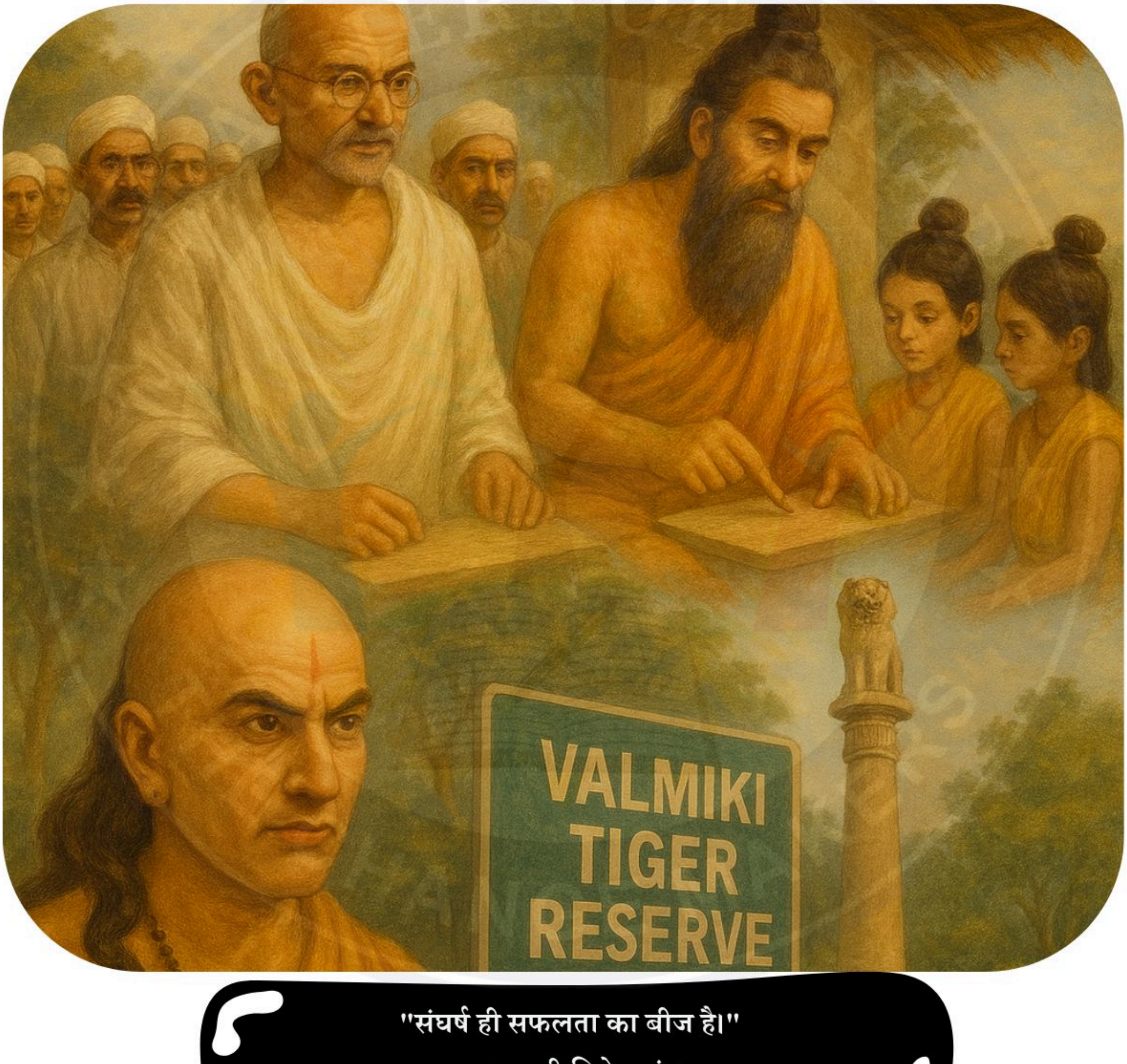

"संघर्ष ही सफलता का बीज है।"
— स्वामी विवेकानंद

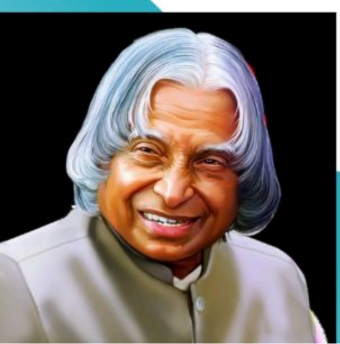

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

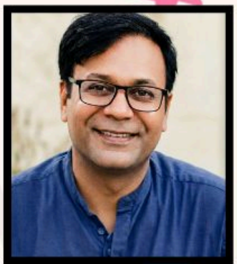

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1: पड़ोसी देश 'श्रीलंका' की प्रशासनिक राजधानी कहाँ है?
उत्तर: श्री जयवर्धनपुरा कोट्टे
प्रश्न 2: विश्व का सबसे बड़ा द्वीप (Island) कौन सा है?
उत्तर: ग्रीनलैंड (Greenland)
प्रश्न 3: 'लावणी' किस राज्य का सबसे प्रसिद्ध लोक नृत्य है?
उत्तर: महाराष्ट्र
प्रश्न 4: 200 के आधे का आधा कितना होगा?
उत्तर: 50 (200 \div 2 = 100, फिर 100 \div 2 = 50)
प्रश्न 5: बिहार का कौन सा जिला 'चावल' के उत्पादन में अग्रणी होने के कारण 'धान का कटोरा' कहलाता है?
उत्तर: रोहतास
प्रश्न 6: 'काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान' (असम) किस विशेष जानवर के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: एक सींग वाला गेंडा (One-horned Rhinoceros)
प्रश्न 7: 'पेंसिलिन' (Penicillin) के बाद 'चेचक के टीके' (Smallpox Vaccine) की खोज किसने की थी?
उत्तर: एडवर्ड जेनर
प्रश्न 8: भारत में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठकों की अध्यक्षता कौन करता है?
उत्तर: प्रधानमंत्री
प्रश्न 9: 'हिमालय' का सही संधि-विच्छेद क्या होगा?
उत्तर: हिम + आलय (दीर्घ संधि)
प्रश्न 10: हमारे शरीर में भोजन का पाचन मुख्य रूप से किस अंग में पूर्ण होता है?
उत्तर: छोटी आँत (Small Intestine)

संकलन:-

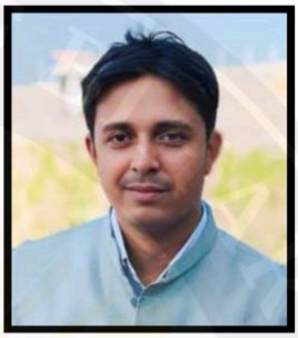

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Everyone – (एवरीवन) – हर कोई / सब
2. Everybody – (एवरीबॉडी) – सब लोग
3. Everything – (एवरीथिंग) – सब कुछ
4. No one – (नो वन) – कोई नहीं
5. Nobody – (नोबॉडी) – कोई नहीं
6. Nothing – (नथिंग) – कुछ नहीं

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या वह ... है?" (Is he/she ...?)

क्या वह खुश है? – Is he happy?
क्या वह ठीक है? – Is he fine?
क्या वह तैयार है? – Is he ready?
क्या वह व्यस्त है? – Is he busy?
क्या वह सुरक्षित है? – Is he safe?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 10 अप्रैल को 'होम्योपैथी' चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन की जयंती पर कौन सा दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: विश्व होम्योपैथी दिवस
व्याख्या: होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. हैनीमैन के योगदान को याद करने के लिए हर साल 10 अप्रैल को यह दिवस मनाया जाता है। यह चिकित्सा की एक वैकल्पिक पद्धति है जो 'समः समम् शमयति' (Like cures like) के सिद्धांत पर आधारित है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और वैकल्पिक उपचारों की जानकारी छात्रों के लिए उपयोगी है।
संदर्भ: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO); आयुष मंत्रालय, भारत सरकार (2026)।

2. हाल ही में 'बिहार सरकार' ने किस जिले में 'राज्य का पहला वन्यजीव अस्पताल' (Wildlife Hospital) खोलने की मंजूरी दी है? (समसामयिकी)
उत्तर: मुजफ्फरपुर
व्याख्या: अप्रैल 2026 में मुजफ्फरपुर के शेरपुर में बिहार के पहले वन्यजीव अस्पताल के निर्माण को गति दी गई है। यहाँ घायल जंगली जानवरों और पक्षियों के अत्याधुनिक इलाज और पुनर्वास की सुविधा होगी। यह बिहार की समृद्ध जैव-विविधता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है।
संदर्भ: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार (अप्रैल 2026)।

3. "विक्रमांकदेवचरित" नामक ऐतिहासिक काव्य के रचयिता कौन हैं, जिसमें कल्याणी के चालुक्य राजा विक्रमादित्य VI का वर्णन है? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: बिल्हण
व्याख्या: कश्मीरी कवि बिल्हण द्वारा रचित यह ग्रंथ दक्षिण भारतीय इतिहास को समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इसमें राजा की विजयों और उनके शासनकाल की घटनाओं का काव्य रूप में वर्णन किया गया है। यह प्राचीन भारतीय साहित्य में 'जीवनी' लेखन का एक सुंदर उदाहरण है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 1, पृष्ठ 8।

4. किसी पारिस्थितिकी तंत्र में 'शाकाहारी' जीवों को किस पोषण स्तर पर रखा जाता है? (पर्यावरण)
उत्तर: द्वितीय पोषण स्तर
व्याख्या: पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह स्तरों में होता है। प्रथम स्तर पर 'उत्पादक' (पौधे) होते हैं। पौधों को खाने वाले शाकाहारी जीव 'प्राथमिक उपभोक्ता' कहलाते हैं और वे 'द्वितीय पोषण स्तर' का निर्माण करते हैं।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 15 (हमारा पर्यावरण), पृष्ठ 258।

5. प्राचीन भारत में 'मेहरगढ़' (वर्तमान पाकिस्तान) से किस फसल की खेती के सबसे प्राचीन प्रमाण मिले हैं? (इतिहास)
उत्तर: गेहूँ और जौ
व्याख्या: मेहरगढ़ वह स्थान है जहाँ संभवतः सबसे पहले गेहूँ और जौ उगाना और भेड़-बकरी पालना सीखा गया था। यह नवपाषाण काल का एक महत्वपूर्ण पुरास्थल है, जो सभ्यता के विकास और स्थायी जीवन की शुरुआत की कहानी कहता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 2, पृष्ठ 13।

"सामान्य-ज्ञान"

6. 'इंसुलेशन' का अर्थ क्या है? (भूगोल)
उत्तर: सौर विकिरण
व्याख्या: इंसुलेशन (Insolation) का अर्थ पृथ्वी पर प्राप्त होने वाली सौर ऊर्जा से है। यह पृथ्वी की सतह को गर्म करती है और जलवायु तथा मौसम प्रणाली को प्रभावित करती है। सूर्य की किरणों का कोण, अवधि और पृथ्वी की स्थिति इसके वितरण को प्रभावित करते हैं।
संदर्भ: NCERT कक्षा 7, भूगोल, अध्याय 4, पृष्ठ 28

7. भारतीय संविधान का वह कौन सा अनुच्छेद है जो 'सिखों' को कृपाण धारण करने और रखने का अधिकार (धार्मिक स्वतंत्रता) देता है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 25
व्याख्या: अनुच्छेद 25 सभी व्यक्तियों को अंत:करण की स्वतंत्रता और धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने का अधिकार देता है। इसी के स्पष्टीकरण में सिखों द्वारा कृपाण धारण करना उनके धर्म का अंग माना गया है। यह भारत की धार्मिक विविधता और सहिष्णुता का संवैधानिक प्रमाण है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2, पृष्ठ 38।

8. वैसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें 'ऊष्मा' का अवशोषण होता है, क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: ऊष्माशोषी अभिक्रिया (Endothermic Reaction)
व्याख्या: जिन अभिक्रियाओं में अभिकारकों को तोड़ने के लिए ऊर्जा (ऊष्मा, प्रकाश या विद्युत) की आवश्यकता होती है, उन्हें ऊष्माशोषी अभिक्रिया कहते हैं। जैसे— सिल्वर क्लोराइड का सूर्य के प्रकाश में वियोजन। यह ऊष्माक्षेपी अभिक्रिया के ठीक विपरीत होती है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1, पृष्ठ 10।

9. प्रसिद्ध 'बृहदेश्वर मंदिर' (तंजावुर) का निर्माण किस चोल शासक ने करवाया था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: राजराज चोल प्रथम
व्याख्या: तमिलनाडु में स्थित यह मंदिर 'द्रविड़ शैली' की वास्तुकला का सबसे भव्य उदाहरण है। इसका निर्माण 11वीं शताब्दी में हुआ था। यह पूरी तरह से ग्रेनाइट पत्थर से बना है और इसे यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 6, पृष्ठ 101।

10. बिहार के किस जिले में 'ककोलत जलप्रपात' स्थित है, जिसे 'बिहार का नियाग्रा' भी कहा जाता है? (बिहार GK)
उत्तर: नवादा
व्याख्या: नवादा जिले के ककोलत की पहाड़ियों में स्थित यह प्रपात अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। लगभग 150 फीट की ऊंचाई से गिरने वाला यह शीतल जलप्रपात पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। यह बिहार की विशिष्ट भौगोलिक संरचना का एक सुंदर प्रमाण है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; SCERT बिहार कक्षा 9 भूगोल।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (अप्रैल W1): 'अगलगी' की स्थिति में यदि आग 'बिजली के उपकरणों' (Short Circuit) के कारण लगी हो, तो सबसे पहले क्या करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: मुख्य स्विच (Main Switch) बंद करें
व्याख्या: आपदा कैलेण्डर 2026 के अनुसार, बिजली से लगी आग पर कभी भी पानी नहीं डालना चाहिए क्योंकि इससे करंट लगने का खतरा रहता है। सबसे पहले घर या विद्यालय की बिजली का 'मेन स्विच' बंद कर दें और अग्निशमन यंत्र (Fire Extinguisher) या बालू का उपयोग करें।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम एवं आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026।

12. 'भारत' का संबंध जो 'नई दिल्ली' से है, वही संबंध 'बिहार' का किससे होगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: पटना
व्याख्या: यह 'सादृश्यता' (Analogy) का प्रश्न है। जिस प्रकार 'नई दिल्ली' भारत की राजधानी है, उसी प्रकार 'पटना' बिहार की राजधानी है। यह प्रश्न छात्रों की सामान्य जानकारी और तार्किक संबंध स्थापित करने की क्षमता को परखता है।
संदर्भ: NTSE मानसिक योग्यता अभ्यास (सादृश्यता परीक्षण)।
क्या आप इसी व्यवस्थित पाठ्यक्रम के अनुसार 11 अप्रैल 2026 (अंक: 10) के लिए सामग्री

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Heed (हीड) = Pay attention (पे अटेंशन) = ध्यान देना
🔁 Antonym – Ignore (इग्नोर) = अनदेखा करना
Heal (हील) = Cure / Recover (क्योर / रिकवर) = स्वस्थ होना
🔁 Antonym – Injure (इंज़र) = घायल करना
Heap (हीप) = Pile / Collection (पाइल / कलेक्शन) = ढेर
🔁 Antonym – Scatter (स्कैटर) = बिखेरना
Hawkish (हॉकिश) = Aggressive / War-like (एग्रेसिव / वॉर-लाइक) = आक्रामक
🔁 Antonym – Peaceful (पीसफुल) = शांतिप्रिय
Hilarity (हिलैरिटी) = Laughter / Amusement (लाफ्टर / अम्यूज़मेंट) = हंसी / आनंद

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

India maintains strict neutrality in West Asia conflict; PM Modi reiterates call for immediate ceasefire and dialogue as fragile US-Iran truce faces challenges from Israel-Hezbollah clashes.
भारत पश्चिम एशिया संघर्ष में सख्त तटस्थता बनाए हुए; पीएम मोदी ने इज़राइल-हिजबुल्लाह टकराव के बीच तत्काल युद्धविराम और संवाद की अपील दोहराई।

Government ramps up domestic oil and gas exploration; allocates additional blocks to counter potential supply disruptions from ongoing Hormuz tensions.
सरकार ने संभावित आपूर्ति बाधाओं के खिलाफ घरेलू तेल-गैस अन्वेषण तेज किया; अतिरिक्त ब्लॉक्स आवंटित।

Supreme Court directs states to strengthen temple crowd management protocols nationwide following recent stampede incidents.
सुप्रीम कोर्ट ने हालिया भगदड़ घटनाओं के बाद देशभर में मंदिरों में भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल मजबूत करने का निर्देश दिया।

INTERNATIONAL NEWS

Fragile US-Iran ceasefire under severe strain; Israel launches major strikes on Hezbollah targets in Lebanon, killing over 200; Trump warns all parties to respect truce.
अमेरिका-ईरान युद्धविराम गंभीर दबाव में; इज़राइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह ठिकानों पर बड़े हमले किए, 200+ मारे गए; ट्रंप ने सभी पक्षों से समझौते का सम्मान करने की चेतावनी दी।

Houthis resume attacks on Red Sea shipping; two vessels damaged, forcing more companies to reroute via longer Cape of Good Hope path, inflating global freight costs.
हूती विद्रोहियों ने लाल सागर शिपिंग पर हमले फिर शुरू किए; दो जहाज क्षतिग्रस्त, अधिक कंपनियां लंबे केप ऑफ गुड होप मार्ग पर, वैश्विक माल ढुलाई लागत बढ़ी।

China offers to host US-Iran peace talks in Beijing; global leaders urge all parties to extend the two-week ceasefire and begin substantive negotiations.
चीन ने बीजिंग में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता की मेजबानी का प्रस्ताव रखा; विश्व नेता युद्धविराम बढ़ाने और गंभीर वार्ता शुरू करने की अपील कर रहे।

BIHAR NEWS

CM Nitish Kumar to leave for Delhi today; political circles speculate high-level NDA meetings on future leadership and Lok Sabha strategy.
सीएम नीतीश कुमार आज दिल्ली रवाना; NDA में भविष्य के नेतृत्व और लोकसभा रणनीति पर उच्च स्तरीय बैठक की अटकलें।

Bihar government announces new ANM appointments and rural health initiatives; CM distributes appointment letters to over 4,900 newly recruited Auxiliary Nurse Midwives.
बिहार सरकार ने नई ANM नियुक्तियां और ग्रामीण स्वास्थ्य पहल घोषित कीं; सीएम ने 4,900 से अधिक नई भर्ती एएनएम को नियुक्ति पत्र सौंपे।

SPORTS NEWS

IPL 2026: Kolkata Knight Riders post strong total against Lucknow Super Giants at Eden Gardens; match underway with high expectations from both sides.
आईपीएल 2026: कोलकाता नाइट राइडर्स ने ईडन गार्डन्स में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मजबूत स्कोर बनाया; दोनों टीमों से रोमांचक मुकाबले की उम्मीद।

Virat Kohli and RCB continue impressive run in IPL 2026; Indian captains leading multiple franchises shine as league enters crucial phase.
विराट कोहली और RCB आईपीएल 2026 में शानदार फॉर्म जारी रखे हुए; कई फ्रेंचाइजी में भारतीय कप्तान चमक रहे, लीग निर्णायक चरण में प्रवेश कर रही।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

प्रेरक प्रसंग

"धीरे सही, लेकिन स्थायी जीत"

10 अप्रैल की सुबह थी। विद्यालय की प्रार्थना सभा में विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर विशेष जानकारी दी जा रही थी। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।
सभा के बाद प्रधानाध्यापक महोदय मंच पर आए और बोले—
“बच्चों, क्या तुम जानते हो कि होम्योपैथी के जनक Samuel Hahnemann थे? उन्होंने यह चिकित्सा पद्धति विकसित की, जिसमें शरीर की स्व-चिकित्सा क्षमता को बढ़ाकर बीमारी को जड़ से ठीक करने पर जोर दिया जाता है।”
बच्चे ध्यान से सुनने लगे।
उन्होंने आगे कहा—
“होम्योपैथी में इलाज थोड़ा समय ले सकता है, लेकिन इसका उद्देश्य केवल लक्षणों को दबाना नहीं, बल्कि बीमारी को जड़ से समाप्त करना होता है।”
फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—
एक छात्र था रोहित। उसे पढ़ाई में जल्दी सफलता चाहिए थी। वह परीक्षा से कुछ दिन पहले ही पढ़ाई करता और तुरंत अच्छे परिणाम की उम्मीद करता, लेकिन हर बार निराश हो जाता।
एक दिन उसके शिक्षक ने उसे समझाया—
“रोहित, जीवन होम्योपैथी की तरह है। अगर तुम धीरे-धीरे, नियमित और सही तरीके से मेहनत करोगे, तो सफलता जरूर मिलेगी—और वह स्थायी होगी।”
रोहित ने इस बात को गंभीरता से लिया। उसने रोज़ थोड़ा-थोड़ा पढ़ना शुरू किया, समय का पालन किया और धैर्य बनाए रखा।
धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास बढ़ा और परिणाम भी बेहतर होने लगे। इस बार उसकी सफलता स्थायी और संतोषजनक थी।
प्रधानाध्यापक महोदय ने अंत में कहा—
“बच्चों, याद रखो—जल्दी मिलने वाली सफलता अक्सर अस्थायी होती है, लेकिन धैर्य और निरंतर मेहनत से मिली सफलता हमेशा टिकाऊ होती है।”
सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—
“हम जल्दबाज़ी नहीं, बल्कि धैर्य और नियमित प्रयास को अपनाएँगे।”
संदेश : “धीरे-धीरे किया गया सही प्रयास ही जीवन में स्थायी सफलता देता है।”

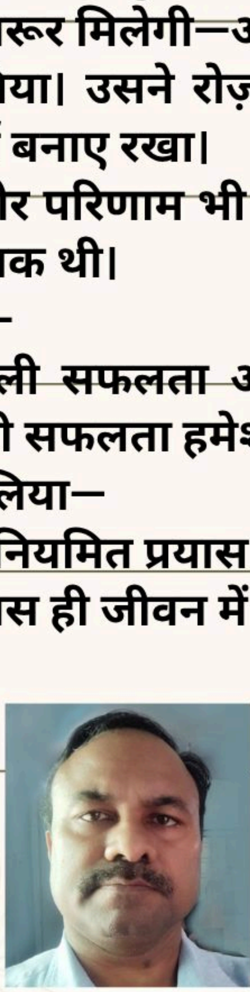

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"सहपाठी शिक्षण (Peer Teaching) का महत्व"

राज्य के सरकारी विद्यालयों में एक ओर जहां सरकार द्वारा जरुरी सुविधाएं यथा शिक्षकों की नियुक्ति, वर्गकक्ष का निर्माण, शौचालयों का निर्माण, बैठने की व्यवस्था, शिक्षण सामग्री की व्यवस्था आदि जुटाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर विद्यालय में छात्रों की घटती संख्या चिंता का सबब बनती जा रही है। इस पर विचार कर अभी हमारे विद्यालयों में नामांकन पखवाड़ा मनाया जा रहा है। नामांकन अभियान को सफल बनाने के लिए हम शिक्षकों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना आवश्यक है। यदि हम अपने अभियान में निम्न बिंदुओं को शामिल करें तो हमारी सफलता सुनिश्चित होगी।

सबसे पहले हमें विद्यालय के पोषक क्षेत्र में घर-घर सर्वे करना चाहिए और 6–14 वर्ष के सभी बच्चों की सूची तैयार करनी चाहिए। इस क्रम में स्कूल से बाहर बच्चों की पहचान करने में हम सक्षम होंगे। हमें विद्यालय के पोषक क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाना होगा। अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के बारे में समझाना होगा। इस हेतु नामांकन रैली, प्रभात फेरी, नारा लेखन, पोस्टर-बैनर का उपयोग कर सकते हैं। ग्राम सभा या मोहल्ला बैठक का आयोजन भी किया जाना चाहिए। समाज में हमें विद्यालय की छवि कीआकर्षक प्रस्तुति करनी चाहिए। इसमें विद्यालय को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाना, दीवार लेखन, पेंटिंग, बात सुलभ वातावरण का निर्माण, मध्याह्न भोजन, पोषाक, छात्रवृत्ति, नि:शुल्क वितरित होने वाली पुस्तकें एवं शिक्षण सामग्री जैसी सुविधाओं की समाज को जानकारी देने जैसा कार्य करना चाहिए।

नये छात्रों के नामांकन को "प्रवेशोत्सव" के रूप में मनाना चाहिए जिसमें नए बच्चों का स्वागत फूल, तिलक, कांपी से करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना चाहिए।घर-घर जाकर छीजित छात्रों के माता-पिता से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उनको विद्यालय वापस लाने हेतु प्रेरित करना चाहिए। विद्यालय शिक्षा समिति की बैठकों में इस पर चर्चा करते हुए सदस्यों को भी इसमें सहयोग हेतु अनुरोध किया जाना चाहिए।

इस दौरान नामांकन रजिस्टर अपडेट करते रहना चाहिए।बच्चों का आधार/जन्म प्रमाण पत्र (जहाँ जरूरी) उनसे लेकर संधारित रखना चाहिए ताकि आवश्यकता अनुसार उसका सदुपयोग किया जा सकता है। फिर विद्यालय प्रधान को कक्षावार एवं कोटिवार नामांकन सूची तैयार करना चाहिए।

अभियान में सबसे ज्यादा विशेष ध्यान देने योग्य समूह में बालिकाएँ , अनुसूचित जाति जनजाति समुदाय, दिव्यांग छात्र एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को रखकर जब हम अभियान चलायेंगे तो सफलता की संभावना ज्यादा होगी।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक को अभियान पर निगरानी रख प्रतिदिन हुए नामांकन की समीक्षा भी करनी चाहिए। उन्हें लक्ष्य बनाकर प्रगति देखते रहना चाहिए। इस पूरे अभियान में शिक्षक की भूमिका प्रेरक और मार्गदर्शक की होनी चाहिए। नामांकित छात्रों को विद्यालय में बनाए रखने के लिए कक्षा में रोचक शिक्षण सुनिश्चित करना चाहिए एवं छात्रों की नियमित उपस्थिति भी सुनिश्चित करना चाहिए। विद्यालय द्वारा नामांकन अभियान केवल बच्चों को स्कूल में लाने तक सीमित नहीं रखते हुए उन्हें विद्यालय में बनाए रखने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का होना चाहिए।

तो आईए हम अपने विद्यालय के पोषक क्षेत्र में एक सफल एवं सकारात्मक नामांकन अभियान की शुरुआत करें।

.................✍

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव — सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

हि विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षको में पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनो ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयो से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फुदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 29

"(इंटरमीडिएट के बाद – B.Sc (Physics/Chemistry/Mathematics))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि विज्ञान, शोध (Research), विश्लेषणात्मक सोच और अकादमिक क्षेत्र में है, तो B.Sc (Physics/Chemistry/Mathematics) एक मजबूत और बहुआयामी स्नातक कोर्स है। इस कोर्स में भौतिकी (Mechanics, Electricity, Optics), रसायन (Organic, Inorganic, Physical Chemistry), गणित (Algebra, Calculus, Statistics) जैसे विषयों का गहन अध्ययन कराया जाता है, जो आगे उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की ठोस नींव तैयार करता है।

अर्हता: 12वीं (Science) – Physics, Chemistry, Mathematics के साथ उत्तीर्ण; सामान्यत: 45–50% अंक आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकांश विश्वविद्यालयों में मेरिट/प्रवेश परीक्षा के आधार पर ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्रवेश।

बिहार के प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालय:

Patna University – patnauniversity.ac.in

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University – brabu.net

Magadh University – magadhuniversity.ac.in

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

University of Delhi – du.ac.in

Banaras Hindu University – bhu.ac.in

Indian Institute of Science Bangalore – iisc.ac.in

कोर्स अवधि: 3 वर्ष (NEP-2020 के अंतर्गत 4-वर्षीय विकल्प भी उपलब्ध)।

रोजगार की संभावना:

शिक्षण (Teacher), रिसर्च असिस्टेंट, लैब टेक्नीशियन, डेटा एनालिस्ट, बैंकिंग/SSC/अन्य प्रतियोगी परीक्षाएँ। प्रारंभिक वेतन ₹20,000–40,000 प्रति माह, उच्च शिक्षा के बाद बेहतर अवसर।

आगे के अवसर:

M.Sc, PhD, रिसर्च, NET/JRF, इंजीनियरिंग/आईटी/डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में बदलाव की संभावना।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से उच्च शिक्षा हेतु सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप विज्ञान के गहरे अध्ययन, शोध और शिक्षण क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो B.Sc (PCM) आपके लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

अगले पत्र में – **मैट्रिक के बाद : Beautician & Wellness Course

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा- 2

दैनिक जागरण

www.jagran.com

जिलास्तर की प्रतियोगिता में बगहा दो का दबदबा

- क्विज, गणित ओलंपियाड और चित्रांकन प्रतियोगिता में पांच छात्राओं ने जीता दूसरा स्थान
- बगहा दो प्रखंड के आठ विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा: बिहार दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय गणित ओलंपियाड, क्विज प्रतियोगिता और चित्रांकन प्रतियोगिता में बगहा दो प्रखंड के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विभिन्न वर्गों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में से पांच छात्राओं ने जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर प्रखंड का नाम रोशन किया। क्विज प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बोदसर की छात्रा अनुष्का कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं मध्य विद्यालय पटखौली-मलकौली की छात्रा आराध्या कुमारी ने वर्ग छह से आठ में दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट बालिका प्लस टू विद्यालय पटखौली की छात्रा सिम्मी कुमारी ने वर्ग नौ से 12 में प्रथम स्थान के बराबर अंक प्राप्त करने के बावजूद द्वितीय स्थान हासिल किया। गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय पटखौली-मलकौली की छात्रा आशी कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय और प्रखंड का गौरव बढ़ाया। वहीं चित्रांकन प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बोदसर की छात्रा निधि कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान हासिल किया। प्राथमिक विद्यालय बोदसर का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा, जहां से दो छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया और दोनों ने जिला स्तर पर मेडल प्राप्त कर विद्यालय का शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज कराया। जानकारी के अनुसार बगहा दो प्रखंड से कुल आठ छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया था, जिनमें से पांच विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर बगहा दो प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी फूदन राम ने क्षेत्र के सभी शिक्षकों और अभिभावकों ने खुशी जताई और विजेता विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला में सम्मानित होते बगहा दो के शिक्षक व छात्राएं • सौ. शिक्षक

अभिभावक शिक्षक गोष्ठी में बांटे गए मूल्यांकन परिणाम

राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर में अभिभावक शिक्षक गोष्ठी में मेधावी छात्राओं को मेडल व प्रगति पत्रक देकर सम्मानित करते प्रधानाध्यापक व शिक्षक • सौ. प्रधानाध्यापक

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा: राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर में सोमवार को अभिभावक शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्रों का वार्षिक मूल्यांकन परिणाम जारी कर अभिभावकों के बीच वितरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य थीम "प्रवेश से प्रगति तक" रखा गया, जिसमें बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर विशेष चर्चा की गई। गोष्ठी के दौरान अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति और व्यवहार संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही अभिभावकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहयोग की अपील की ... करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल एवं प्रगति पत्रक देकर सम्मानित किया गया। इससे बच्चों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। विद्यालय के प्रधानाध्यापक शैलेंद्र कुमार ने बताया कि मेरे विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों और शिक्षकों के सामूहिक सहयोग से ही बच्चों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं ...

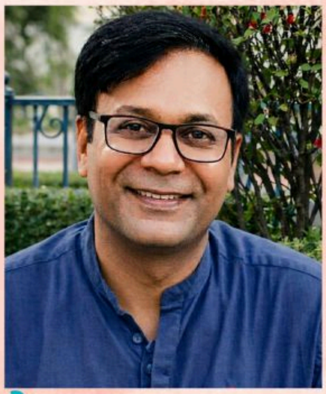

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक (BPSC)

रा.प्रा.वि. बोदसर

बगहा -2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org